श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

C/o. शाह गोविन्दजी वीरम फेक्टरी कम्पाउन्ड, मोंढा रोड, औरंगाबाद (महा.) ४३१ ००१

सा विद्या या विमुक्तये — सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

सम्यग्ज्ञान प्रवेशिका

◆◆◆ अभ्यासक्रम जवाब पत्र ◆◆◆ I

ऐनरोलमेन्ट नंबर ______ जून-२०१४ शहर ______

विद्यार्थी का नाम ______

प्रश्न-१ रिक्त स्थान

१	अकाल मृत्यु
२	अध्यवसाय
३	प्रतिहारी
४	छः काय
५	च्यवते हुये
६	आत्म साधना
७	अजीव तत्व
८	गोत्र कर्म
९	सोने की बेडी
१०	प्रसेनजीत
११	भाव निर्जरा
१२	विरती धर्म
१३	मानवभव
१४	परिणाम
१५	पांच महाभूतों
१६	तीसरे आरे की
१७	त्रास
१८	हित चिंतनरूप
१९	आस्रव
२०	अपकाय

प्रश्न-२ एक ही शब्द में

(१)	नव-तत्व	(५)	पूर्वाचार्य
(२)	पृथ्वीकाय	(६)	मुक्त
(३)	अनंत चारित्र	(७)	बयासी
(४)	मालकोश	(८)	दीपक
(५)	ह्रीं कार	(९)	स्फटिक
(६)	अरिहंत-सिद्ध	(१०)	नव-तत्व
(७)	अंतराय कर्म	(११)	पृथ्वी
(८)	मधुरा	(१२)	सभी में
(९)	ग्रहण करने योग्य	(१३)	अभ्रक
(१०)	इन्द्र	(१४)	एक प्रकार से
(११)	ज्ञानातिशय/केवलज्ञान	(१५)	इन
(१२)	सादि अनंत/अक्षय	(१६)	क्रम से
(१३)	भाव बंध	(१७)	छः प्रकार से
(१४)	मोक्ष तत्व	(१८)	भेद
(१५)	मूर्ख शिरोमणी	(१९)	जानना
		(२०)	अज्ञानी

प्रश्न-३ शब्दार्थ

(१)	विनाश करने वाला
(२)	रत्न
(३)	मोक्ष
(४)	स्थावर

प्रश्न-४ जोडियाँ लगाओ

(१)	५	(६)	३
(२)	१	(७)	१०
(३)	७	(८)	४
(४)	२	(९)	६
(५)	८	(१०)	९

प्रश्न-५ संख्या में जवाब

(१)	१४
(२)	४
(३)	५०० सागरोपम
(४)	२५-२५
(५)	५
(६)	९
(७)	७
(८)	६
(९)	८८
(१०)	१९वें (कोर्स में गलती से ७वें छपा)

प्रश्न-६ ✓ या ×		प्रश्न-७ यह वाक्य किस पृष्ठ पर	
(१)	×	(१)	८
(२)	✓	(२)	७
(३)	✓	(३)	१६
(४)	×	(४)	२४
(५)	✓	(५)	६
(६)	✓	(६)	१७
(७)	✓	(७)	२२
(८)	×	(८)	१९
(९)	×	(९)	१३
(१०)	✓	(१०)	१०

प्रिंटिग भूल के कारण अथवा हमसे रह गयी भूल के कारण विद्यार्थीओं को जो तकलीफ होती है, उसके लिये हम क्षमाप्रार्थी है। ऐसे संजोगो में विद्यार्थी को उसका पूरा मार्क दिया जाता है।

प्रश्न नं ३ शब्दार्थ - नं-६ मुसा गलत है - मुत्ता है। कोर्स में ऋषभदेव चरित्र में कुछ पंक्तियां छपाई में रह जाने से जीवानंद वैद्य का ७वां भव हो गया है जबकि प्रभु का वह भव ९वां है

रीमार्क ______ जांचनेवाले की सही ______